PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ▸ Issue : 3 ▸ Mumbai ▸ Friday, 20 February to 26 February 2026 ▸ Weekly ▸ Pages: 8 ▸ Price : 3 Rs.

सीएम और डिप्टी सीएम ने शिवनेरी किले में मनाई छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती

शिवनेरी किले सहित 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने का प्रयास – एकनाथ शिंदे

रायगढ़ - महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सुनेत्रा अजीत पवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के अवसर पर पुणे के शिवनेरी किले में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने शिवाजी महाराज के किलों के विकास और अतिक्रमण हटाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल एक योद्धा ही नहीं बल्कि एक कुशल प्रशासक भी थे। हर साल हम यहां आते हैं और इस पवित्र स्थान से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार शिवाजी महाराज के सभी किलों का विकास करेगी और अतिक्रमण हटाने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र सरकार शिवनेरी किले सहित 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जब भी हम यहां आते हैं तो एक अलग ऊर्जा और प्रेरणा महसूस होती है। हम शिवाजी महाराज के किले की मिट्टी का तिलक

कर यह संकल्प लेते हैं कि महाराष्ट्र के विकास के लिए अंतिम सांस और अंतिम बूंद खून तक काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती सिर्फ महाराष्ट्र में ही नहीं पूरे देश और विदेशों में भी मनाई जा रही है। डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने शिवाजी महाराज की शासन प्रणाली को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि हर साल लाखों लोग शिवनेरी किले पर आकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का सुशासन और सामाजिक न्याय आज भी हमें सही दिशा में काम करने की प्रेरणा देता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि उनके किलों के विकास के लिए किसी भी तरह की फंडिंग की कमी न हो।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी, 1630 को शिवनेरी किले में हुआ था। वे 17वीं सदी के महान मराठा योद्धा थे जिन्होंने 1674 में मराठा साम्राज्य की नींव रखी और मुगलों के खिलाफ कई युद्ध लड़े। वे न केवल एक वीर सेनानायक थे बल्कि एक संगठित प्रशासनिक व्यवस्था बनाने में भी सफल रहे। उन्होंने एक व्यापक नागरिक संहिता लागू की, जो जनता के हितों की रक्षा करती थी।

ओसी एमनेस्टी स्कीम: मनपा आयुक्त ने समिति के साथ बैठक की

एसओपी को अंतिम रूप देने के बाद शीघ्र कार्यान्वयन का आश्वासन दिया

मुंबई - सरकार द्वारा गठित स्थायी समिति के सदस्यों और बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने कार्यान्वयन (एसओपी) के बारीक बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। बीएमसी की स्थायी संचालन माफी

के दौरान किसी भी अस्पष्टता से बचने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया नीति को राज्य सरकार ने दिसंबर 2025 में कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी थी। अब बीएमसी इसके कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है, जिसके लिए एसओपी का इंतजार है। एफपीजे ने पहले बताया था कि नवगठित स्थायी समिति की मंजूरी के बाद ही इसका कार्यान्वयन संभव होगा।

यह बैठक एसआरए और एमएचएडीए सहित सभी भवनों के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) जारी करने के लिए आयोजित की गई थी।

(शेष पेज 3 पर...)

नए स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतें आमदार कार्यालय में दर्ज कराएं – आ. कुमार आयलानी

उल्हासनगर - उल्हासनगर शहर में लगाए जा रहे नए स्मार्ट बिजली मीटरों को लेकर बढ़ती शिकायतों के बीच आमदार कुमार आयलानी ने नागरिकों से सीधे उनके कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

आमदार कुमार आयलानी की ओर से जारी संदेश में कहा गया है कि जिन उपभोक्ताओं के पुराने विद्युत मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं और यदि नए मीटर में पहले की तुलना में अधिक यूनिट दर्ज हो रही है या बिजली बिल में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दिखाई दे रही है, तो वे इस संबंध में तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि पुराने बिल और स्मार्ट मीटर लगने के बाद प्राप्त बिल में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है, तो उपभोक्ता दोनों बिलों की छायाप्रति (जेरॉक्स) लेकर सचदेव कॉम्प्लेक्स स्थित जनसंपर्क कार्यालय में संपर्क करें। इस संबंध में नरेश मटई से मिलकर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आमदार कार्यालय की ओर से आश्वासन दिया गया है कि प्राप्त सभी शिकायतों को महावितरण के संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर उचित समाधान

करवाने का प्रयास किया जाएगा। स्मार्ट मीटर को लेकर शहर में चल रही चचाओं के बीच यह पहल नागरिकों को राहत दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बदलापुर में महिला पत्रकार श्रद्धा ठोभरे पर हमला: वायरल पत्र विवाद बना कारण

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

बदलापुर - महाराष्ट्र के बदलापुर शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ महिला पत्रकार श्रद्धा ठोभरे पर कथित रूप से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना ने स्थानीय स्तर पर मीडिया सुरक्षा और राजनीतिक तनाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पत्रकार श्रद्धा ठोभरे हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वायरल हुए अनाम पत्र से जुड़े मुद्दे पर चर्चा कर रही थीं। इस पत्र में कथित तौर पर स्थानीय राजनीतिक हलकों से जुड़े आरोप लगाए गए थे। इसी विषय पर लाइव चर्चा करने के बाद विवाद बढ़ गया।

बताया जा रहा है कि नगर परिषद की बैठक के दौरान कुछ लोगों ने उनसे तीखी बहस की। स्थिति तनावपूर्ण होने पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया और उन्हें थाने आने की सलाह दी गई। आरोप है कि जब वह पुलिस स्टेशन पहुँचीं, तब कुछ लोगों ने उनकी कार को घेर लिया और वाहन के शीशे तोड़ दिए।

पत्रकार ने आरोप लगाया कि यह हमला स्थानीय नगरसेवक प्रवीण राऊत के समर्थकों द्वारा किया गया। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक रूप से दोष तय नहीं हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए हैं। घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आवश्यक कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि हमला पूर्वनियोजित था या अचानक भड़के विवाद का परिणाम।

घटना की जड़ माने जा रहे वायरल पत्र का आधिकारिक या प्रमाणित संस्करण अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। विश्वसनीय स्रोतों ने भी उसके वास्तविक पाठ की पुष्टि नहीं की है। इसलिए उसके अंदर लिखी बातों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं, लेकिन उनकी सत्यता जांच के अधीन है।

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

जोखिम पर शिक्षा आवश्यक !

जब एआइ इंपैक्ट समिट के कारण भारत देश-दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, तब यह अच्छा नहीं हुआ कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक्सपो में एक निजी यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोटिक डाग को अपना बताकर प्रस्तुत कर दिया। देश को असहज करने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी को एक्सपो से बाहर का रास्ता दिखाकर बिल्कुल सही किया गया।

यह स्वाभाविक है कि विदेशी मीडिया माध्यम इस प्रकरण को तूल देने में जुट गए, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि अपने ढंग के विशिष्ट इस वैश्विक सम्मेलन की महत्ता को अनदेखा कर दिया जाए। इतना अवश्य है कि उक्त प्रकरण से भारत सरकार को चेत जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआइ तकनीक विकसित करने के नाम पर नकल न होने पाए और न ही इस क्षेत्र की कंपनियां विदेशी कंपनियों पर आश्रित होने पाएं। आज जब दुनिया एआइ क्रांति के मुहाने पर है एवं भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है और इसी कारण दुनिया भर की नामी एआइ कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआइ क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। यह ठीक है कि सरकार की ओर से एआइ के उपयोग और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में बताया जा रहा है, लेकिन उसे कैसे, किन क्षेत्रों में और किस सावधानी के साथ अमल में लाना है, इसका खाका बनाने का काम टेक्नोक्रेट को करना चाहिए, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग से लेकर शासन-प्रशासन में इस तकनीक के उपयोग को लेकर पूरी तरह स्पष्टता रहे। एआइ क्षेत्र की भारतीय कंपनियों को इस तथ्य से परिचित होना आवश्यक है कि भाषाई एवं सामाजिक विविधता और आर्थिक विषमताओं के कारण उन्हें एआइ टूल्स अलग तरह से विकसित करने होंगे। इस तकनीक का न केवल भारतीयकरण होना चाहिए, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रभुत्व से मुक्त भी होना चाहिए। ऐसा होने पर ही एआइ सर्वजन हिताय और बहुजन सुखाय के मंत्र को सिद्ध कर सकेगी। भारत को इस तकनीक की खपत के केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि उसके शोध एवं विकास में आत्मनिर्भर देश के रूप में उभरने का संकल्प लेना होगा। इस संकल्प की सिद्धि संभव है, क्योंकि यूपीआइ संबंधी तकनीक में भारत एक उदाहरण पेश करने में सक्षम साबित हुआ है। एआइ अकल्पनीय संभावनाओं वाली नई तकनीक है, जो निरंतर उन्नत हो रही है, पर उसके दुरुपयोग के खतरे भी हैं। इसलिए सरकार को अपने लोगों और विशेष रूप से छात्रों को एआइ की विशेषताओं एवं जटिलताओं से परिचित कराना आवश्यक है।

400 करोड़ लूट कांड का सच उजागर

अदालत ने सभी आरोपियों को किया रिहा, जांच में कहानी निकली मनगढ़ंत

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

नासिक - कथित रु. 400 करोड़ नकदी लूट और अपहरण मामले में एक महत्वपूर्ण न्यायिक मोड़ सामने आया है। इगतपुरी की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अदालत ने विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए सभी आरोपियों को रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच में न तो रु. 400 करोड़ की किसी वास्तविक लूट का प्रमाण मिला और न ही शिकायतकर्ता के कथित अपहरण की घटना सिद्ध हो सकी। इस प्रकार, पूरे मामले की मूल कहानी ही मनगढ़ंत पाई गई।

अदालत के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया कि आरोपों को पुष्ट करने वाला कोई ठोस भौतिक या परिस्थितिजन्य साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। इसी आधार पर न्यायालय ने माना कि आरोपियों के विरुद्ध प्रथम दृष्ट्या अपराध का मामला बनता ही नहीं है। हालांकि न्यायिक प्रक्रिया की औपचारिकता बनाए रखते हुए अदालत ने प्रत्येक आरोपी को रु. 25,000 के निजी मुचलके और एक जमानतदार के साथ भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्हें नासिक ग्रामीण क्षेत्र के घोटी पुलिस थाने में समय-समय पर उपस्थिति दर्ज कराने को भी कहा गया है।

विशेष जांच दल के अनुसार यह मामला किसी वास्तविक डकैती या अपहरण से जुड़ा नहीं था, बल्कि एक जटिल हवाला धोखाधड़ी की योजना का हिस्सा था। जांच में संकेत मिले कि इस कथित साजिश का लक्ष्य ठाणे निवासी बिल्डर किशोर सावला थे। कुछ व्यक्तियों ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि उनके पास बड़ी मात्रा में बंद हो चुकी मुद्रा (डिमोनेटाइज्ड करेंसी) है, जिसे नई मुद्रा में बदलकर भारी लाभ कमाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी लालच में धन का लेन-देन हुआ और बाद में रकम गायब होने पर लूट तथा अपहरण की कहानी गढ़ी गई।

जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि बिल्डर, कथित हवाला ऑपरेटर और पुलिस या अन्य अधिकारियों के बीच किसी प्रत्यक्ष आपराधिक संबंध का प्रमाण नहीं मिला। SIT प्रमुख ने यह स्पष्ट किया कि उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों की किसी संभावित संलिप्तता की जानकारी नहीं थी और विभागीय स्तर पर यदि कोई अलग पहलू सामने आता है तो उसकी स्वतंत्र जांच की जा सकती है।

शिकायतकर्ता के आरोप और असहमति

मामले के शिकायतकर्ता संदीप पाटिल ने SIT की निष्कर्षात्मक रिपोर्ट से असहमति जताई है। उनका आरोप है कि जांच निष्पक्ष और पूर्ण नहीं थी तथा कई महत्वपूर्ण साक्ष्यों की अनदेखी की गई। उन्होंने दावा किया कि कथित अपहरण में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी, धमकी से जुड़े वीडियो फुटेज की जांच तथा कुछ अहम ऑडियो रिकॉर्डिंग का वैज्ञानिक विश्लेषण नहीं किया गया। शिकायतकर्ता ने संकेत दिया है कि वे न्यायिक स्तर पर आगे आपत्ति दर्ज करा सकते हैं और उच्च अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकते हैं।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी आपराधिक मामले में जांच एजेंसी की अंतिम रिपोर्ट पर शिकायतकर्ता को आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार होता है। यदि अदालत को आपत्ति में दम नजर आता है, तो वह आगे की जांच या पुनर्विचार का आदेश भी दे सकती है। इसलिए तकनीकी रूप से यह मामला पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता।

प्रशासनिक और विभागीय सवाल

इस प्रकरण ने केवल एक कथित अपराध की सच्चाई ही नहीं उजागर की, बल्कि जांच प्रक्रिया और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न खड़े किए हैं। कुछ आरोपों में यह दावा किया गया कि समानांतर अनौपचारिक जांच, कॉल डिटेल रिकॉर्ड की कथित अवैध प्राप्ति तथा अन्य अनियमित गतिविधियाँ हुईं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी विभागीय स्तर पर संभावित भूमिका की पड़ताल जारी रहने की बात कही जा रही है।

इस तरह यह मामला केवल आपराधिक घटना तक सीमित न रहकर प्रशासनिक पारदर्शिता, जांच की निष्पक्षता और न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता जैसे व्यापक मुद्दों से भी जुड़ गया है।

न्यायिक प्रक्रिया का महत्व

अदालत का यह आदेश भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करता है– किसी भी व्यक्ति को तब तक दोषी नहीं माना जा सकता जब तक उसके खिलाफ ठोस प्रमाण न हों। केवल आरोप या सनसनीखेज कहानी पर्याप्त नहीं होती; न्यायालय साक्ष्यों और कानूनी मानकों के आधार पर ही निर्णय देता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि अदालत द्वारा आरोपियों की रिहाई 'बेल' (जमानत) के रूप में नहीं बल्कि जांच रिपोर्ट स्वीकार किए जाने के परिणामस्वरूप हुई है। अर्थात् वर्तमान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उनके विरुद्ध मामला ही स्थापित नहीं हुआ।

सनसनी से सत्य तक की यात्रा

400 करोड़ की कथित लूट और अपहरण का यह मामला शुरूआत में अत्यंत सनसनीखेज प्रतीत हुआ था। अंतरराज्यीय कोण, हवाला नेटवर्क की आशंका और उच्च-स्तरीय संलिप्तता जैसे दावों ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया। किंतु विस्तृत जांच और न्यायिक परीक्षण के बाद जो तस्वीर सामने आई, वह पूरी तरह भिन्न थी–एक ऐसी कहानी, जिसमें वास्तविक अपराध के बजाय कथित धोखाधड़ी और भ्रम की परतें अधिक दिखाई दीं।

फिर भी शिकायतकर्ता की आपत्ति की संभावना और विभागीय जांच के खुले पहलू यह संकेत देते हैं कि कानूनी रूप से कहानी का अंतिम अध्याय अभी लिखा जाना बाकी है।

यह घटना विद्यार्थियों और समाज दोनों को यह सीख देती है कि किसी भी समाचार या आरोप को अंतिम सत्य मानने से पहले तथ्यों, साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया की प्रतीक्षा करना आवश्यक है। न्याय व्यवस्था की यही संतुलित और प्रमाण-आधारित कार्यप्रणाली लोकतांत्रिक समाज की सबसे बड़ी शक्ति है।

मुंबई की मेयर रितु तावड़े और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने छत्रपति शिवाजी महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की

मुंबई - मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े और महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दादर पश्चिम स्थित शिवाजी पार्क में आयोजित शिव जयंती समारोह के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा आयोजित किया गया था, जहां बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने भी मराठा योद्धा राजा की प्रतिष्ठित अश्वारोही प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में नगर निगम के अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे, जो शिवाजी महाराज की अमर विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करने, उनके साहस, दूरदर्शी नेतृत्व और स्वराज के आदर्शों पर आधारित एक न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर राज्य की स्थापना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद करने के लिए एकत्रित हुए थे।

आचार्य देवव्रत ने भी दिन में पहले शिवाजी महाराज को पुष्पांजलि अर्पित कर इस अवसर को चिह्नित किया। महाराष्ट्र भर में, महान शासक की जयंती मनाने के लिए कई स्मारक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुणे जिले के शिवनेरी किले में, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार के साथ एक विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। नेताओं ने शिवाजी महाराज की जन्मभूमि, ऐतिहासिक किले में श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके शासन और नेतृत्व सिद्धांतों की शाश्वत प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिवाजी महाराज को दूरदर्शी नेता, उत्कृष्ट प्रशासक, कुशल रणनीतिकार और स्वराज के समर्थक के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की वीरता आज भी राष्ट्र को प्रेरित करती है, और उनका शासन मॉडल एक मार्गदर्शक उदाहरण बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने शासक के न्याय और आत्मसम्मान की गहरी भावना पर जोर देते हुए कहा कि शिवाजी महाराज ने हमेशा अपनी प्रजा के कल्याण और सुरक्षा को प्राथमिकता दी, यही कारण है कि उनका जीवन और आदर्श भारत भर में पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं।

आओ खेलें

B				5		F		9	G	1	D	4	2		A
				3	6	8	2				4		9		
3	D	2		A	B	1				8	C	E		5	
C		1	5	4	E		G		A		6		B		
5	B				A	7	8		D	F				C	
	7	9						A		5			D		E
6		D	8	9		3		G		4	E		A	F	
	F				5	C			8	3			4	G	
	4		A	2			E			G					F
		6	C	F			4	B		7		2	G		3
2		F	1			A							7		D
8	G	5		1				D			F			4	
G				7				5		9	A	8	C		
		A	6		C	2	5	F		D		B		9	7
4	5	3	D	6	9		A	8			B	G	F	2	
7	1			8		B			3		G	A		E	

प्यूपिल्स टाइम्स

मंत्रालय में भ्रष्टाचार उजागर

उल्हासनगर में खुलेआम नशे की बिक्री पर सवाल

पुणे /महाराष्ट्र - मंत्रालय में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने के बाद अब पूरे प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हाल ही में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में कार्यरत एक क्लर्क को 35,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, लाइसेंस निलंबन रद्द करने के लिए 50,000 रुपये की मांग की गई थी।

इस मामले में मंत्री नरहरी झिरवळ का बयान सामने आया है कि यदि उनकी कोई भूमिका सिद्ध होती है तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं। अब जांच में आगे कौन-कौन शामिल है, यह आने वाला समय बताएगा। मंत्रालय में भ्रष्टाचार तो शहर में क्या हाल? जब मंत्रालय स्तर पर इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, तो फिर शहरों में कार्यरत अधिकारियों की जवाबदेही पर भी प्रश्नचिन्ह लगना स्वाभाविक है। उल्हासनगर में खुलेआम प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और सिगरेट की बिक्री हो रही है। लगभग हर एक किलोमीटर पर नशे का सामान उपलब्ध है। यदि यह सब प्रतिबंधित है, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं होती ?

युवा पीढ़ी खतरे में शहर में सैकड़ों ढाबे और चायनीज होटल ऐसे हैं, जहां अवैध रूप

से शराब परोसी जाती है। इससे लाइसेंसधारी होटल और बार संचालकों के व्यवसाय पर गहरा असर पड़ रहा है। जो लोग सालाना लाखों रुपये शुल्क भरते हैं, वे स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग कभी-कभी हाथभट्ठी बनाने वालों पर कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दावा करता है, लेकिन ढाबों और छोटे होटलों में खुलेआम परोसी जा रही शराब पर कार्रवाई क्यों नहीं? कैंप 1 से 5 तक, विशेषकर कैंप 3 फॉरवर्ड लाइन चौक से नेहरू चौक, 17 सेक्शन से शांतिनगर परिसर और डॉल्फिन होटल तक, कई स्थानों पर अवैध गतिविधियां जारी होने की शिकायतें हैं।

जवाबदेही और टोल-फ्री नंबर की मांग जब अन्य विभाग जनता के लिए टोल-फ्री नंबर जारी करते हैं, तो फिर खाद्य एवं औषधि प्रशासन और राज्य उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा शिकायत हेतु स्पष्ट हेल्पलाइन नंबर क्यों सार्वजनिक नहीं किया जाता ? यदि प्रतिबंधित गुटखा बेचना और अवैध शराब परोसना अपराध है, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई देती ? क्या शहर की युवा पीढ़ी को बर्बाद होते देखना ही नियति है ? जनता अब जवाब चाहती है अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और शिकायतों के लिए सुलभ व्यवस्था तुरंत लागू की जानी चाहिए।

डोंबिवली में 8.94 लाख की नकली टेल्मा अट टैबलेट जब्त

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

कल्याण - पुलिस और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डोंबिवली और मुंबई में नकली 'टेल्मा अट' टैबलेट बेचने वाले एक बड़े रैकेट का पता लगाया है। यह हाई ब्लड प्रेशर के लिए आम तौर पर लिखी जाने वाली दवा है। इस चौंकाने वाले खुलासे से मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा हो गई हैं। अधिकारियों ने कन्फर्म किया है कि नकली स्टॉक बिहार से मंगाया गया था, जो एक इंटरस्टेट नेटवर्क की ओर इशारा करता है। नकली टैबलेट ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स के पॉपुलर ब्रांड 'टेल्मा अट' के नाम पर बेची जा रही थीं, जिसका इस्तेमाल हाइपरटेंशन के इलाज के लिए किया जाता है। खास जानकारी मिलने पर, ऋऋ्न ने छापा मारा और नकली टेल्मा अट टैबलेट (टेल्मिसर्टन 40 mg और एम्लोडिपाइन 5 mg IP) की 2,795 स्ट्रिप्स जब्त कीं, जिनकी कुल कीमत 8,94,400 है।

ओसी एमनेस्टी स्कीम: मनपा आयुक्त ने समिति के साथ बैठक की

(पेज 1 का शेष)

सभी स्वीकृत भवनों, आवासीय-सह-व्यावसायिक और पूर्णतः व्यावसायिक भवनों को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, जिसमें फ्लैट मालिकों द्वारा उपयोग किए जा रहे अतिरिक्त क्षेत्र के लिए बीएमसी को आरआर के अनुसार 50% प्रीमियम का भुगतान करना होगा, अधिवक्ता विवेकानंद गुप्ता ने कहा।

बैठक में मौजूद पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने कहा, हमने तत्काल ओसीडी माफी योजना को लागू करने और 1962 की तिथि रेखा को 1 जनवरी, 2011 में बदलने की मांग की है। यह अवधारणा 'सभी के लिए ओसीडी' के नारे के तहत प्रस्तुत की गई थी।

शेट्टी ने आगे कहा कि डेवलपर्स की गलतियों या प्रक्रियात्मक दिक्कतों के कारण मुंबई में हजारों फ्लैट मालिकों और हाउसिंग सोसाइटियों को आज तक ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) नहीं मिला है। 'इससे पानी और बिजली कनेक्शन, संपत्ति कर का नियमितीकरण, पुनर्विकास प्रक्रिया और बैंक ऋण एवं लेनदेन में समस्याएं आती हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं,' शेट्टी ने कहा।

बीएमसी सदन के नेता गणेश खानकर, जो बैठक में उपस्थित थे, ने कहा, 'नगर आयुक्त गगरानी ने प्रतिनिधिमंडल की बात धैर्यपूर्वक सुनी और आश्वासन दिया कि इस मामले पर प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। 'आम मुंबईवासियों के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी,' खानकर ने आगे कहा।

उल्हासनगर ट्रैफिक पुलिस ने स्कूल बसों में शराब पीकर गाड़ी चलाने और ओवरस्पीडिंग के खिलाफ स्पेशल ड्राइव शुरू की

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

उल्हासनगर - स्कूली बच्चों की सुरक्षा पक्की करने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए, उल्हासनगर ट्रैफिक पुलिस ने शहर भर में स्कूल बस और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों द्वारा शराब पीकर गाड़ी चलाने और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एक खास इंस्पेक्शन ड्राइव शुरू की है। शराब पीकर स्टूडेंट्स को ले जाने वाले ड्राइवरों पर चिंता के बाद यह कार्रवाई की गई है।

यह कार्रवाई उन चिंताओं के बीच की गई है कि स्टूडेंट्स को ले जाने वाले कुछ ड्राइवर कथित तौर पर शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे और ओवरस्पीडिंग कर रहे थे, जिससे बच्चों की जान खतरे में पड़ रही थी। अधिकारियों ने कहा कि डिपार्टमेंट ने ऐसी लापरवाही के प्रति जीरो-टॉलरेंस का रवैया अपनाया है, खासकर जब यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा हो।

सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाट

ड्राइवरों का मौके पर ही ब्रेथलाइजर टेस्ट किया गया

खास बात यह है कि शराब पीने का पता लगाने के लिए ड्राइवरों का मौके पर ही ब्रेथलाइजर टेस्ट किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जो लोग ट्रैफिक नियम तोड़ते या नशे में गाड़ी चलाते हुए पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शिरसाट ने कहा कि स्टूडेंट सेफ्टी डिपार्टमेंट की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इस तरह के एनफोर्समेंट ड्राइव रेगुलर तौर पर जारी रहेंगे।

के गाइडेंस में, ट्रैफिक टीमों ने उल्हासनगर में अलग-अलग जगहों पर सरप्राइज चेकिंग की। इस ड्राइव में स्कूल बसें, ऑटो-रिक्शा, वैन, टैक्सी और स्टूडेंट्स को ले जाने वाली दूसरी गाड़ियां शामिल थीं। अधिकारियों ने रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, परमिट, इंश्योरेंस पेपर, गाड़ी के फिटनेस सर्टिफिकेट और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे जरूरी डॉक्यूमेंट्स को वेरिफाई किया।

यह ऑपरेशन असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर काले, संतोष भोईर, संजय बेंद्रे, जितेंद्र चिट्टे, मनोज काले, नाना आव्हाड, भरत खांडेकर और रंजीत खोत के साथ-साथ दूसरे ट्रैफिक कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने माता-पिता और स्कूल अधिकारियों से सहयोग करने और लापरवाही से गाड़ी चलाने के किसी भी मामले की रिपोर्ट करने का आग्रह किया ताकि स्टूडेंट्स के लिए सुरक्षित ट्रांसपोर्टेशन सुनिश्चित हो सके।

भारत में दिखा रमजान का चांद, गुरुवार को पहला रोजा; इबादत का पाक महीना शुरू

नई दिल्ली - देश के विभिन्न हिस्सों में बुधवार शाम रमजान का चांद दिखाई देने के साथ ही मुस्लिम समुदाय के पवित्र महीने रमजान की शुरूआत हो गई। चांद दिखने की पुष्टि के बाद धार्मिक संगठनों और मस्जिदों की ओर से गुरुवार को पहला रोजा रखने की घोषणा की गई। इसके साथ ही एक माह तक चलने वाली इबादत, रोजा, तरावीह और दान-पुण्य की विशेष अवधि प्रारंभ हो गई है।

रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना होता है और इसे बेहद पवित्र माना जाता है। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक रोजा रखते हैं। रोजे की शुरूआत सहरी (सुबह का भोजन) से होती है और सूर्यास्त के बाद इफ्तार के साथ रोजा खोला जाता है। मस्जिदों में विशेष नमाज 'तरावीह' अदा की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। कई शहरों में बाजारों में भी रौनक बढ़

गई है। खजूर, फल, सेवइयां और इफ्तार से जुड़े अन्य सामानों की खरीदारी तेज हो गई है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार, रमजान आत्मसंयम, आत्मशुद्धि और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। इस महीने में जरूरतमंदों की सहायता, जकात और फितरा अदा करने का विशेष महत्व होता है। समुदाय के लोग आपसी भाईचारे और शांति की दुआ करते हैं।

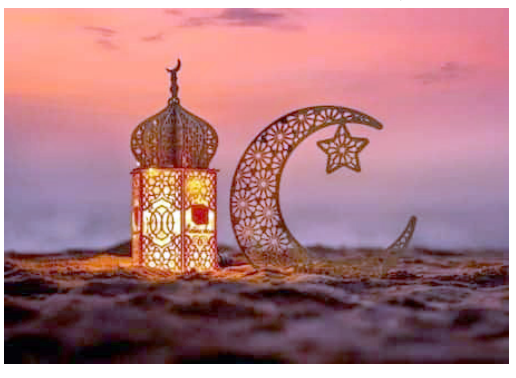

प्रशासन की ओर से भी विभिन्न राज्यों में सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि नमाज और इफ्तार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। रमजान का यह पवित्र महीना चांद की अगली दृष्टि के साथ ईद-उल-फितर के पर्व पर समाप्त होगा, जिसे देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

पैसों के लिए दोस्त द्वारा युवक की कथित हत्या

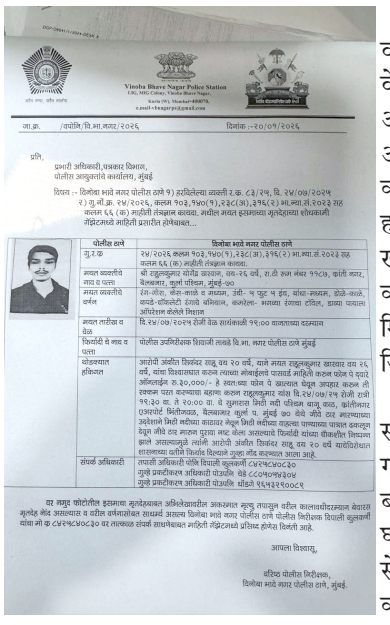

मुंबई - विनोबा भावे नगर पुलिस ने 24 वर्षीय युवक राहुल कुमार राजेश यादव (कुर्ला वेस्ट निवासी) की कथित हत्या के मामले में अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अंकित सिकंदर साह (20) ने पहले पीड़ित का विश्वास जीतकर उसका मोबाइल पासवर्ड हासिल किया और लगभग रु. 30,000 अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद उसने कथित रूप से पीड़ित को मीठी नदी के पास मिलने बुलाया और पानी में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 302 सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस निरीक्षक दीपाली कुलकर्णी ने बताया कि आगे की जांच जारी है और उन्होंने घटना से संबंधित जानकारी रखने वाले लोगों से पुलिस से मो. क्र. 8425840830 पर संपर्क करने की अपील की है।

बढ़ती पार्षद संख्या के बीच नए सिविक हॉल की तैयारी

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) शहर के प्रशासनिक ढांचे को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत बनाने के लिए नए और तकनीक-सुसज्जित कॉर्पोरेशन हॉल के निर्माण की योजना पर विचार कर रही है।

समूह नेताओं ने आजाद मैदान के पास स्थित नगर निगम जिमखाना भूखंड पर नयासिविक हॉल हॉल बनाने के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। हालांकि, ऐतिहासिक बीएमसी मुख्यालय से बाहर हॉल स्थानांतरित करने के मुद्दे पर कुछ जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने चिंता भी व्यक्त की है। प्रस्ताव को जल्द अंतिम रूप देकर प्रशासन को सौंपे जाने की संभावना है। वर्तमान में नगर निगम में 227 निर्वाचित और 10 नामांकित पार्षद हैं, यानी कुल संख्या 237 है। हाल ही में महापौर चुनाव के लिए आयोजित

पहली बैठक के दौरान बैठने की पर्याप्त व्यवस्था न होने से सदन में अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई थी। इस घटना के बाद मौजूदा कॉर्पोरेशन हॉल की क्षमता पर सवाल उठे और बड़े हॉल की आवश्यकता महसूस की गई।

नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पहले पार्षदों की संख्या केवल 64 थी, जो अब बढ़कर 227 हो चुकी है। आने वाले वर्षों में यह संख्या 250 से अधिक होने की संभावना जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए अधिक विशाल, सुव्यवस्थित और आधुनिक सुविधाओं से लैस नए हॉल का प्रस्ताव सामने आया है।

जिमखाना मैदान पर निर्माण का प्रस्ताव

सदन के नेता और भाजपा पार्षद गणेश खंकर ने कहा कि सभी समूह नेताओं ने जिमखाना भूखंड पर नया कॉर्पोरेशन हॉल बनाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विरासत भवन से बाहर जाना भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन भविष्य की जरूरतों और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं को देखते हुए यह निर्णय जरूरी है।

वहीं, बीएमसी प्रशासन ने नए भवन की सातवीं मंजिल पर कॉर्पोरेशन हॉल बनाने के विकल्प पर भी विचार किया था, जो फिलहाल खाली है। लेकिन समूह नेताओं का मानना है कि यह स्थान बड़े और भव्य हॉल के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए जिमखाना मैदान का भूखंड ज्यादा उपयुक्त विकल्प माना जा रहा है।

विपक्ष की नेता किशोरी पेडणेकर ने भी नए हॉल के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में पार्षदों को बैठने में कठिनाई होती है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए बड़े और सुविधाजनक हॉल का निर्माण अनिवार्य है। उन्होंने इस संबंध में प्रशासन को पत्र भेजने की बात भी कही है।

शहरी प्रशासन से जुड़े जानकारों का मानना है कि तेजी से बढ़ते महानगर में जनप्रतिनिधियों की संख्या और कार्यभार को देखते हुए आधुनिकसिविक हॉल हॉल का निर्माण समय की मांग है, लेकिन इसके साथ विरासत भवनों के संरक्षण पर भी समान ध्यान देना आवश्यक होगा।

उल्हासनगर में रिलायंस डिजिटल शोरूम को मनपा के कर विभाग ने किया सील

उल्हासनगर - टैक्स बकाया होने के चलते उल्हासनगर में स्थित Reliance Digital के शोरूम को महानगरपालिका के कर विभाग ने सील कर दिया। इस कार्रवाई के बाद शहर के बड़े टैक्स बकायेदारों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि उल्हासनगर शहर में कई बकायेदारों को बार-बार नोटिस दिए जाने

के बावजूद संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया जा रहा था। ऐसे में कर निर्धारक एवं संकलक नीलम चंद्रकांत कदम ने कानूनी कदम उठाते हुए कई बकाया संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई शुरू की। इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि टैक्स भुगतान में किसी भी प्रकार की ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यह पूरी मुहिम उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले के निर्देश पर तेजी से चलाई जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से कई बकायेदार हर वर्ष अभय योजना का इंतजार करते हुए टैक्स भुगतान टालते रहे हैं, जिससे पालिका को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि लोक अदालत के आदेशानुसार अभय योजना का लाभ केवल निवासी नागरिकों को ही दिया जा सकता है, जबकि अनिवासी बकायेदारों को इसका लाभ नहीं मिलेगा। सूत्रों के अनुसार जब कर विभाग की टीम बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पहुंचती है, तब कुछ जनप्रतिनिधियों के फोन कॉल के माध्यम से कार्रवाई रोकने की कोशिश भी की जाती है।

हालांकि विभाग की ओर से साफ संकेत दिया गया है कि किसी भी दबाव में आए बिना नियमों के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी। नगरपालिका का कहना है कि टैक्स वसूली ही शहर के विकास की आधारशिला है। समय पर कर भुगतान से ही उल्हासनगर में विकास कार्यों को गति मिली।

ऑस्ट्रेलियाई पर्यटक का खोया हुआ फोन और बटुआ एक घंटे में किया बरामद

मुंबई - चूनाभट्टी पुलिस ने तेजी से एक्शन लेते हुए और काबिलियत दिखाते हुए, एक 60 साल के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक को घटना की रिपोर्ट करने के सिर्फ एक घंटे के अंदर उसका खोया हुआ मोबाइल फोन और वॉलेट ढूंढने में मदद की।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पीटर मुइर हेड गोवा से मुंबई मंगेश ट्रैवल्स की एक इंटरसिटी बस से गए थे। बस ड्राइवर और हेल्पर के यह बताने के बाद कि उनका स्टॉप आ गया है, वह प्रियदर्शिनी, एवरर्ड नगर, चेंबूर में उतरे। हालांकि, बस से उतरने के थोड़ी देर बाद, पीटर को एहसास हुआ कि वह गलती से अपना आयफोन-14 और 10,000 इंडियन करेंसी वाला वॉलेट गाड़ी में ही छोड़ आए हैं। उन्होंने तुरंत चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन जाकर मामले की रिपोर्ट की थी।

महाराष्ट्र राज्य कर्मचारी संघ की स्थापना

प्रदेशभर में कर्मचारियों के हित में करेगा कार्य

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - राज्य में अधिकारी एवं कर्मचारियों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर एक नए संगठन की शुरूआत की गई है। महाराष्ट्र राज्य कर्मचारी संघ की स्थापना कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ संगठित रूप से आवाज उठाने के उद्देश्य से की गई है।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह संगठन पूरे महाराष्ट्र में सक्रिय रहकर विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रयासरत रहेगा। जहां कहीं भी कर्मचारियों के साथ अन्याय होगा, वहां संगठन एकजुट होकर न्याय दिलाने का कार्य करेगा। बताया गया है कि जल्द ही पूरे महाराष्ट्र में संघ की जिला एवं विभागीय इकाइयों की घोषणा की जाएगी, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके।

हाल ही में आयोजित बैठक में प्रदेश

अध्यक्ष चरण सिंह टाक ने राज्य उपाध्यक्ष विनोद केणी तथा सचिव नीलम चंद्रकांत कदम को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपीं। इन दोनों पदाधिकारियों की नियुक्ति पर महानगरपालिका में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन के आगामी कार्यों के लिए सफलता की कामना की है। संगठन ने विश्वास जताया है कि सामूहिक प्रयासों से कर्मचारियों के हितों की प्रभावी रक्षा की जा सकेगी।

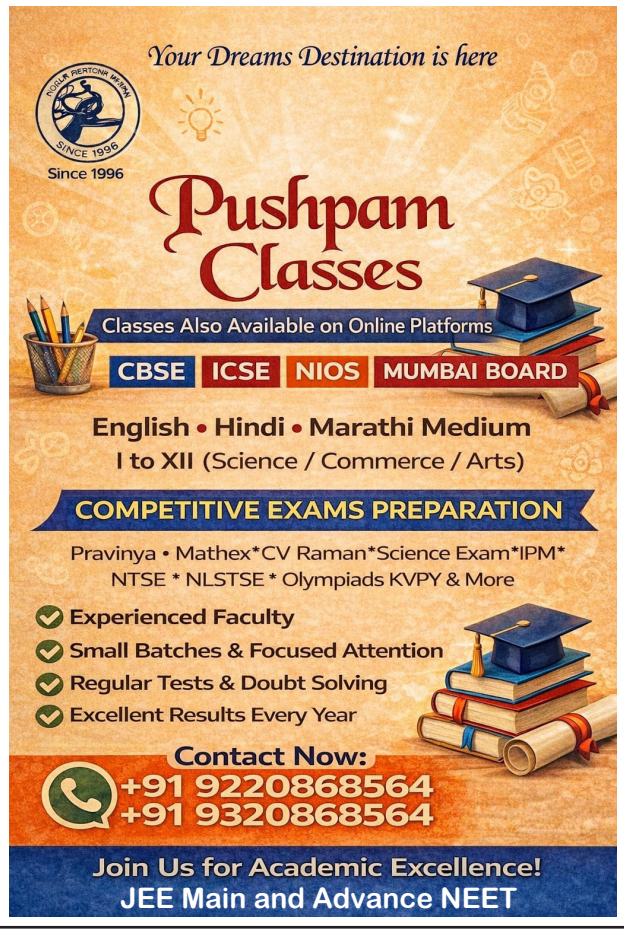

प्यूपिल्स टाइम्स

महाराष्ट्र के दो लाख आईटीआई छात्रों को आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग मिलेगी

मुंबई - माननीय स्किल डेवलपमेंट, एम्प्लॉयमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप और इनोवेशन मिनिस्टर, मंगल प्रभात लोढ़ा की एक पहल के तहत, पूरे महाराष्ट्र के इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के लगभग दो लाख स्टूडेंट्स को धीरे-धीरे डिजास्टर मैनेजमेंट की ट्रेनिंग मिलेगी। इस बारे में, आज अनिरुद्ध

एकेडमी ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, जो डिजास्टर मैनेजमेंट में बहुत अनुभव वाला एक इंस्टिट्यूट है, और स्किल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के तहत वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग डायरेक्टरेट के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए गए।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक मजबूत और ज्यादा मजबूत भारत बनाने के मकसद से कई पहलों को सफलतापूर्वक लागू कर रहे हैं। इंटरनेशनल योगा डे और खेलो इंडिया जैसे प्रोग्राम इसी बड़े विजन का हिस्सा हैं। इसी तरह, माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के गाइडेंस में, स्किल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट युवाओं के बीच पारंपरिक खेलों के महत्व को बढ़ावा देने के लिए राज्य के ।T। में 'क्रीड़ा महाकुंभ' का आयोजन कर रहा है। इस मौके पर माननीय मंत्री श्री लोढ़ा ने कहा कि जनसेवा की इसी भावना को जारी रखते हुए, ।T। अब डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम लागू करके देश बनाने में मदद करेंगे।

डिजास्टर, चाहे कुदरती हों या इंसानों की बनाई, अक्सर बिना किसी चेतावनी के आते हैं। ऐसे हालात में, इंसानी सुरक्षा को प्राथमिकता देने और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने से एक ट्रेंड वॉलंटियर फोर्स बनाने में मदद मिल सकती है जो ज़िला डिजास्टर मैनेजमेंट अधिकारियों की मदद कर सके। मंत्री श्री लोढ़ा ने आगे जोर दिया कि कम्युनिटी की मजबूती के लिए हर नागरिक को डिजास्टर की तैयारी और रिस्पॉन्स ट्रेनिंग दी जानी चाहिए।

अनिरुद्ध एकेडमी ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफि सर, श्री सुनील मंत्री ने बताया कि एकेडमी महाराष्ट्र में 419 सरकारी ।T। के स्टूडेंट्स को मुफ़्त, प्रैक्टिकल डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग देगी। वोकेशनल एजुकेशन और ट्रेनिंग की डायरेक्टर, श्रीमती माधवी सरदेशमुख ने कहा कि जहाँ इंसानियत ने काफी तरक्की की है, वहीं डिजास्टर का नेचर भी बदला है, और युवा पीढ़ी को असरदार तरीके से रिस्पॉन्स करने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस करना जरूरी है।

अकादमी ने शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों पर असर डालने वाली अलग-अलग तरह की डिजास्टर की स्टडी करने के बाद ट्रेनिंग प्रोग्राम डिजाइन किया है। एकेडमी के रिप्रेजेंटेटिव श्री हरीश महाजन ने बताया कि यह प्रोग्राम मुख्य रूप से डिजास्टर की तैयारी, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और रेस्क्यू ऑपरेशन पर फोकस करेगा। इस मौके पर वोकेशनल एजुकेशन और ट्रेनिंग के डिप्टी डायरेक्टर, श्री सतीश सूर्यवंशी भी मौजूद थे।

अमेरिका–चीन पर निर्भर नहीं रहना हमारी प्राथमिकता

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बड़ा बयान

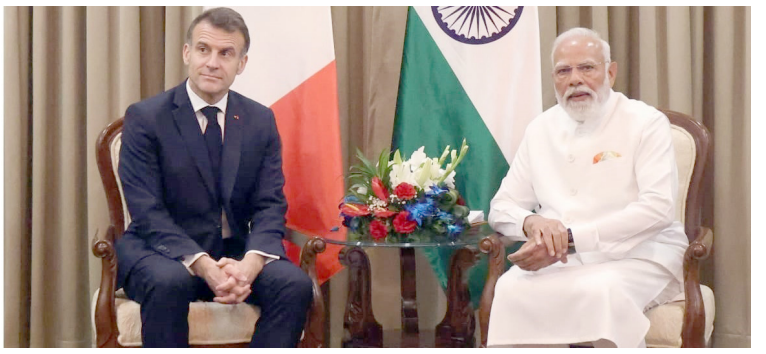

नई दिल्ली - फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस और यूरोप की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक अमेरिका और चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते वैश्विक हालात में यूरोप को आर्थिक, तकनीकी और रक्षा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनना होगा।

एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर बोलते हुए मैक्रों ने कहा कि दुनिया तेजी से दो ध्रुवों–अमेरिका और चीन–के इर्द-गिर्द बंटती जा रही है। ऐसे में यूरोप को अपनी अलग रणनीतिक पहचान और स्वतंत्र निर्णय क्षमता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने इसे 'रणनीतिक अधिकार' की दिशा में जरूरी कदम बताया।

मैक्रों ने ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रक्षा उत्पादन और सप्लाई चेन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में यूरोपीय निवेश बढ़ाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि बाहरी देशों पर ज्यादा निर्भरता भविष्य में बड़े जोखिम पैदा कर सकती है, इसलिए स्थानीय उत्पादन और नवीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

उन्होंने यूरोपीय देशों से आपसी सहयोग मजबूत करने और संयुक्त औद्योगिक नीतियां बनाने की अपील भी की। मैक्रों के अनुसार, मजबूत और आत्मनिर्भर यूरोप ही वैश्विक स्तर पर संतुलन और स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान ऐसे समय आया है जब वैश्विक राजनीति और व्यापार में अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। मैक्रों का रुख यूरोप की स्वतंत्र और संतुलित वैश्विक नीति की ओर संकेत करता है।

मुंबई मेट्रो निर्माण हादसे: विकास की रफ्तार बनाम सुरक्षा की हकीकत

मुंबई - मुंबई में मेट्रो नेटवर्क का तेजी से विस्तार शहर के बुनियादी ढांचे के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। नए कॉरिडोर, नई लाइनों और तेज कनेक्टिविटी के वादों के बीच हाल के निर्माण स्थलों पर हुई दुर्घटनाओं–खासतौर पर मुलुंड क्षेत्र में पिलर/निर्माण संरचना गिरने जैसी घटनाओं–ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विकास की रफ्तार और श्रमिक-जन सुरक्षा के बीच संतुलन कितना मजबूत है, यह अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन चुका है।

मेट्रो परियोजनाएं स्वभाव से जटिल होती हैं। ऊँचे पिलर, भारी गर्डर लॉन्चिंग, सेगमेंट फिटिंग और गहरी नींव का काम – यह सब उच्च तकनीकी निगरानी और सख्त सुरक्षा मानकों की मांग करता है। लेकिन बार-बार सामने आ रही निर्माण-संबंधी दुर्घटनाएं संकेत देती हैं कि कागजी प्रोटोकॉल और जमीनी पालन में कहीं न कहीं अंतर रह जाता है। अधिकतर मामलों में गिरने वाली संरचना स्थायी ट्रैक नहीं बल्कि अस्थायी सपोर्ट सिस्टम, शटरिंग या लॉन्चिंग उपकरण होते हैं – पर जोखिम और नुकसान वास्तविक होता है। इन घटनाओं के बाद आम तौर पर परियोजना प्राधिकरण द्वारा जांच और सेफ्टी ऑडिट के आदेश दिए जाते हैं, ठेकेदार से रिपोर्ट मांगी जाती है और काम अस्थायी रूप से रोक दिया जाता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह कार्रवाई घटना के बाद तक सीमित रहती है? क्या घटना से पहले जोखिम पहचान और रोकथाम की व्यवस्था उतनी ही मजबूत है?

जनता यह भी जानना चाहती है कि:

- साइट का आखिरी स्वतंत्र सेफ्टी ऑडिट कब हुआ था
- ठेकेदारों का सेफ्टी रिकॉर्ड क्या है
- क्या बार-बार उल्लंघन करने वालों पर सख्त दंड लागू होता है
- क्या ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक की जाती है

मेट्रो जैसे मेगा प्रोजेक्ट में समयसीमा का दबाव, ट्रैफिक के बीच काम, और मौसम की चुनौतियाँ जोखिम बढ़ाती हैं। ऐसे में तीसरे पक्ष द्वारा नियमित ऑडिट, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, और पारदर्शी रिपोर्टिंग अनिवार्य हो जाती है। केवल 'जांच के आदेश' पर्याप्त नहीं – 'रोकथाम की संस्कृति' बनाना जरूरी है। विकास आवश्यक है, लेकिन सुरक्षित विकास उससे भी अधिक आवश्यक है। मुंबई की मेट्रो भविष्य की रीढ़ बन सकती है – बशर्ते हर पिलर के साथ सुरक्षा का स्तंभ भी उतना ही मजबूत खड़ा हो।

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
+91 9172282533
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane,
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

महाभारतम् – यक्ष-युधिष्ठिरसंवादः

वनवासकाले तृषाताः पाण्डवाः जलार्थं क्रमशः एकं सरः अगच्छन्। तत्र स्थितः कश्चन यक्षः तान् उक्तवान्– 'मम प्रश्नानां उत्तरं दत्त्वा एव जलं गृह्णीत। किन्तु अतितृष्णया बलगर्वेण च चत्वारः पाण्डवाः तस्य वचनम् अवज्ञाय जलं पीत्वा मृतवत् पतिताः। अन्ते युधिष्ठिर आगतः। सः यक्षस्य वचनं स्वीकृत्य सवेर्षां प्रश्नानां सम्यक उत्तराणि दत्तवान्। सः यक्षः वास्तवतः तस्य पिता धर्मराजः आसीत्, यः तेषां धैर्यज्ञानयोः परीक्षार्थम् आगतः। तस्य प्रसादेन सर्वे पुर्नजीविताः।

प्रमुखाः प्रश्नोत्तराः

वेदस्वाध्यायः ब्राह्मणानां देवत्वम्।
शरविद्या क्षत्रियाणां देवत्वम्।
तपः सत्पुरुषाणां धर्मः।
मरणं मानुषः स्वभावः।
निन्दा असत्पुरुषाणाम् आचरणम्।
यः देवतान् अतिथीन् मातरं पितरं च न पोषयति सः जीवन् अपि मृतसगृशः।
माता पृथिव्याः गुरुतरा।
पिता आकाशात् उच्चतरः।
मनः वायोः अपि शीघ्रतरं धावति।
चिन्ता तृणात् अपि बहुला।
मत्स्यः सुप्तः अपि नेत्रे न निमीलति।
अग्निः सर्वप्राणिनाम् अतिथिः।
गव्यं पयः अमृतम्।
नित्यः अविनाशी धर्मः
एव सनातनधर्मः।
वायुना जगत् व्याप्यते।
स्त्री गृहिणः मित्रम्।
वैद्यः रोगिणः मित्रम्।
दानं मरणस्य मित्रम्।
धर्मस्य मूलं दक्षता।
यशसः मूलं दानम्।
स्वर्गस्य मूलं सत्यम्।
सुखस्य मूलं शीलम्।
पुत्रः मनुष्यस्य आत्मा।
स्त्री देवकृतं मित्रम्।
दानं परमाश्रयः।
धनेषु शास्त्रज्ञानम् श्रेष्ठम्।
लाभेषु आरोग्यम् उत्तमम्।
सुखेषु सन्तोषः श्रेष्ठः।
दया श्रेष्ठः धर्मः।
मनोनिग्रहात् शोकः न भवति।
सत्पुरुषसन्धिः स्थिरा भवति।
अभिमानत्यागात् पुरुषः प्रियः भवति।
क्रोधत्यागात् शोकः न भवति।
कामत्यागात् पुरुषः अर्थवान् भवति।
लोभत्यागात् सुखी भवति।
ब्राह्मणाय धर्मार्थं दानं दीयते।
नट-नर्तकेभ्यः यशार्थं पुरस्कारः।
सेवकेभ्यः भरणार्थं वेतनम्।
राज्ञे भयात् करः दीयते।
जगत् अज्ञानावरणेन आच्छन्नम्।
लोभात् मनुष्यः मित्राणि त्यजति।
आसक्त्या स्वर्गं न प्राप्नोति।
स्वधर्मस्थितिः तपः।
चित्तशान्तिः शमः।
क्रोधः दुर्जयः शत्रुः।
लोभः अनन्ता व्याधिः।
सर्वभूतहितकारी साधुः।
धर्माकरणम् आलस्यं।
इन्द्रियनिग्रहः धैर्यम्।
मानसमलत्यागः स्नानम्।
धर्मज्ञः पण्डितः।
नास्तिकः मूर्खः।
कामवासना हृदयतापः मत्सरः।
महानज्ञानम् अहंकारः।
स्वविद्वत्त्वप्रदर्शनम् दम्भः।
धनवान् अपि यो दरिद्राय न ददाति तथा वेद-धर्म-देव-पितृसु मिथ्याबुद्धिः धारयति सः नरकं गच्छति।
सदाचारी, अग्निहोत्ररतः,
जितेन्द्रियः एव ब्राह्मणः।
मधुरभाषी सवेर्षां प्रियः भवति।
विचारपूर्वकर्मा सफलः भवति।
बहुमित्रवान् सुखी भवति।
धर्मनिष्ठः सद्गतिं प्राप्नोति।
ऋणरहितः स्वदेशस्थितः पुरुषः दरिद्रः अपि सुखी भवति।

आश्चर्यप्रश्नः

प्रतिदिनं जनाः मृत्युलोकं यान्ति, तथापि मनुष्यः मन्यते– अहं नित्यजीवी।
एतत् परमम् आश्चर्यम्।
महापुरुषैः यः मार्गः आचरितः स एव धर्मस्य सत्यपन्थाः।
कालः भगवान् मोहकडाहे सर्वप्राणिनः मासऋतुरूपकर्चुल्या सूर्याग्निना दिवस-रात्रेन्धनेन पचति–एषा एव वार्ता।
यस्य पुण्यकीर्तिः यावत् लोके श्रूयते तावत् तस्य अस्तित्वम्।
यस्य प्रियाप्रिय-दुःखसुख-भूतभविष्येषु समदृष्टिः स एव धनवान्।

अन्ते यक्षः तुष्टः सन् उक्तवान् – एकं भ्रातरं जीवय वरम्।

युधिष्ठिरः उवाच– नकुलः जीवतु, यतः मम मातुः कुन्त्याः एकः पुत्रः जीवति, माद्र्याः अपि एकः जीवतु।

तस्य न्यायप्रियतां दृष्ट्वा यक्षः प्रसन्नः अभवत्, सर्वान्–भीमम्, अर्जुनम्, नकुलम्, सहदेवं च–पुनर्जीवितवान्।

ऋषिः अष्टावक्रः॥

अस्य जन्म महान् वेदविदः ऋषेः कहोडस्य गृहे अभवत्। कहोडः वेदानां गहनज्ञः आसीत्, किन्तु स्वभावतः अभिमानी अपि आसीत्। कथ्यते यत् यदा सः गर्भस्थितस्य शिशोः सम्मुखे वेदपाठं करोति स्म, तदा कदाचित् सूक्ष्मोच्चारणदोषं करोति स्म। गर्भस्थितः बालकः तत् एव अकरोत् यत् सत्याय अनिवार्यम् आसीत्–सः पितरं निराकरोत्। एषा निराकरणा न कस्यचित् अहंकारात्, किन्तु शुद्धबोधात् उत्पन्ना आसीत्। किन्तु अहंकारेण आवृतः पिता तत् असह्यं मन्यत। क्रोधेन सः शापम् अदात्–एषः बालकः अष्टसु स्थानेषु वक्रदेहः भविष्यति। तेन शापेन बालकस्य शरीरं टेढं मेढं जातम्, तस्य नाम च अभवत्–अष्टावक्रः।

देहः यद्यपि वक्रः आसीत्, चेतना तु ऋजु निर्मला च आसीत्। बाल्यादेव अष्टावक्रस्य वचनानि साधारणानि न आसन्। सः अल्पं वदति स्म, किन्तु यदा वदति स्म तदा सत्यमेव वदति स्म। तस्य कृते देहः कदापि बाधा न अभवत्, यतः सः स्वं देहं न मन्यते स्म। अयं भावः एव अनन्तरं तस्य समग्रदर्शनस्य मूलं अभवत्।

तस्मिन् एव काले कहोडऋषिः विदुषां सभां शास्त्रार्थाय गतः। तत्र विद्वान् बन्दी नाम्ना तं पराजितवान्। पराजयस्य दण्डः आसीत्–जले प्रवेशः। कहोडऋषिः सरस्वत्यां प्रवाहितः। एतत् रहस्यं बहुवर्षपर्यन्तं अष्टावक्रात् गुह्यं स्थितम्। सः स्वपितरं कदापि न अपश्यत्, किन्तु अन्तः मौनपीडा अपूर्णता च सदा आसीत्।

यदा अष्टावक्रः किञ्चित् वृद्धः अभवत्, तदा सः सत्यं ज्ञातवान्–तस्य पिता जीवितः अस्ति, मिथिलानरेशस्य जनकस्य सभायाः कस्यचित् प्रसङ्गात् लुप्तः अभवत्। एतत् ज्ञात्वा अष्टावक्रः मिथिलायाः यात्रां कर्तुं निश्चयं कृतवान्। तस्य देहः वक्रः आसीत्, गमनं कठिनम् आसीत्, किन्तु संकल्पः दृढः आसीत्।

मिथिलां प्राप्य सः जनकस्य सभां गतः। तत्र तं दृष्ट्वा अनेकविद्वांसः उपहासं कृतवन्तः। केचित् तस्य पादयोः वक्रतां अपश्यन्, केचित् पृष्ठस्य, केचित् ग्रीवायाः। तदा अष्टावक्रः अत्यन्तशान्तस्वरे अवदत्–

'भवन्तः देहस्य ज्ञातारः उत आत्मनः?'

एतेन एकेन प्रश्नेन सभा मौना अभवत्। जनकराजः तस्मिन् एव क्षणे ज्ञातवान् यत् एषः साधारणबालकः न, किन्तु ब्रह्मज्ञानी अस्ति।

जनकस्य अष्टावक्रस्य च यः संवादः अभवत्, सः अनन्तरं अष्टावक्रगीता इति प्रसिद्धः अभवत्। अष्टावक्रः जनकं अवदत्– बन्धः बहिः न, अन्तः अस्ति; मोक्षः गमनात् न, ज्ञानात् भवति। आत्मा न कर्ता, न भोक्ता–सः केवलः साक्षी अस्ति। जनकः अपि विदेहराजर्षिः सन् तस्मिन् एव क्षणे आत्मबोधं प्राप्तवान्। सः राज्ये स्थित्वा अपि स्वं मुक्तं अमन्यत।

अनन्तरं अष्टावक्रः बन्दिना सह शास्त्रार्थं कृतवान् तम् अपराजयत्। तदा रहस्यं प्रकाशितम्–ये विद्वांसः जले प्रवाहिताः आसन् ते सर्वे वस्तुतः जीविताः आसन्, तत् जलं तेषां साधनास्थलं अभवत्। अष्टावक्रस्य वचनैः ते सर्वे मुक्ताः भूत्वा निर्गताः। तेषु कहोडऋषिः अपि आसीत। पितृपुत्रयोः मिलनम् अभवत्। कहोडः स्वपुत्रात् क्षमां याचितवान्। कथ्यते यत् तस्मिन् एव क्षणे शापस्य प्रभावः समाप्तः अभवत, अष्टावक्रस्य देहवक्रता अपि निवृत्ता–अथवा केषाञ्चित् परम्पराणां मतम्, देहः वक्रः एव स्थितः किन्तु सः अप्रासङ्गिकः अभवत्।

ततः परं अष्टावक्रः कुत्रापि स्थायिरूपेण न अवसत्। सः न आश्रमे बद्धः, न समाजे। सः चरन् ज्ञानस्वरूपः आसीत्–यत्र कश्चित् जिज्ञासुः लब्धः, तत्र एव उपदेशं दत्तवान्। तस्य कृते न जीवनस्य आकर्षणम् आसीत्, न मृत्योः भयम्। सः जानाति स्म–न जन्म सत्यम्, न मरणम्; सत्यं केवलम् आत्मा एव। अन्ते अष्टावक्रस्य जीवनं मौने एव विलीनम् अभवत्। न कश्चित् भव्यः अन्तः, न चमत्कारिकः देहत्यागः। यथा सः आगतः, तथैव गतः। किन्तु यत् अवशिष्टम्, तत् तस्य वचनम्–यत् अद्यापि वदतिः

यदि त्वं स्वात्मानं जानीयाः, तर्हि अस्मिन् एव क्षणे मुक्तः भवसि।

उत्तमः भक्तः

भगवान् श्रीरामः भरतस्य प्रशंसां कृतवान्, तदा भरतः अवदत्–

प्रशंसा तु भवतः एव, यतः अहं भवतः छत्रच्छायां प्राप्तवान्। भवान् स्वभावतः कस्यचित् दोषं द्रष्टुं न जानाति, अतः मम गुणाः भवते दृश्यन्ते।

श्रीरामः उक्तवान्–

भवतु, मन्यामहे यत् मया दोषदर्शनं न ज्ञायते, किन्तु गुणदर्शनं तु ज्ञायते एव। अतः वदामि– त्वं गुणानाम् अक्षयः कोशः असि।

भरतः अवदत्–

यदि शुकः अतीव सुन्दरं श्लोकं पठति, कपिः च अतीव रम्यं नृत्यति, तर्हि एषा विशेषता शुकस्य कपेः वा, उत तयोः शिक्षयितुः?

भगवान् उक्तवान्–

शिक्षयितुः एव।

भरतः पुनः अवदत्–

अहं तादृशः एव शुककपिवत् अस्मि।

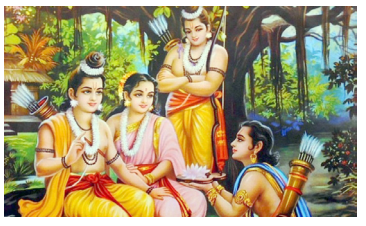

यदि मयि काचित् विशेषता दृश्यते, तर्हि शिक्षयिता नर्तकःच भवान् एव। अतः एषा प्रशंसा भवते एव अर्पिता।

भगवान् उक्तवान्–

भरत, त्वया प्रशंसा प्रत्यर्पिता।

भरतः अवदत्–

प्रभो, प्रशंसां पचयितुं सवेर्षां सामर्थ्यं न भवति। सा अजीर्णं जनयति। किन्तु भवान् एतां प्रशंसां पचने अतीव निपुणः अस्ति। अनादिकालात् भक्ताः भवतः स्तुतिं कुर्वन्ति, तथापि भवतः कदापि अहंकारः न जातः। अतः एषा प्रशंसा भवतः चरणकमलेषु समर्पिता।

उत्तमः भक्तः स एव, यः प्रशंसां प्रभोः चरणयोः समर्पयति, निन्दां च स्वगाठायां निधाय एतत व्रतं धारयति– एतां निन्दां प्रशंसारूपे परिवर्त्य भगवते समर्पयिष्यामि।

हिन्दूसभ्यतायाः भविष्यं बालानां हस्तेषु

हिन्दूसभ्यतां जीवितां स्थापयितुम् इच्छामः चेत् बालान् तेषां हिन्दुत्वस्य अर्थं बोधयितुं आवश्यकम्। एतत् केवलं जन्मना न सम्बध्यते, अपि तु एषा गम्भीरा जीवनदृष्टिः अस्ति या आत्मान्वेषणेन, प्रकृत्या सह सामञ्जस्येन, तथा सत्य-अहिंसा-करुणामूल्येषु अधिष्ठिता अस्ति।

अद्यतनपीढ्यै यदि रामायण-महाभारतयोः शिक्षाः, वेदोपनिषदां ज्ञानम्, सनातनधर्मस्य सारः – अर्थात् 'वसुधैव कुटुम्बकम्' तथा एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति – न बोध्यते, तर्हि एषा सहस्रवर्षप्राचीना सभ्यता शनैः शनैः केवलं आचार-उत्सवपर्यन्तं सीमिता भविष्यति। बालान् बोधयितव्यम् यत् हिन्दुः भवितुम् अर्थः केवलं पूजापाठः न, अपि तु स्वस्य अन्तर्निहितदिव्यत्वस्य जागरणम्, अन्येषां प्रति सहिष्णुता, तथा समाजे धर्म-अर्थ-काम-मोक्षाणां समत्वेन जीवनम्। यदि वयं तेषां कृते एतत् गौरवं दायित्वं च न समर्पयेम, यत् ते अस्याः सभ्यतायाः वहकाः सन्ति, तर्हि आगामिन्यः पीढ्यः स्वमूलाभ्यः विच्छिद्य परिचय-संकटे पतितुं शक्नुयुः। अतः गृहेषु, विद्यालयेषु, समाजे च सततसंवादैः, कथाभिः, संस्कारैः, उदाहरणैः च तान् बोधयितुम् अत्यावश्यकम् – येन हिन्दूसभ्यता न केवलं तिष्ठेत्, अपि तु अधिकजीवन्त्या समृद्ध्या च सह विश्वं दिशं दद्यात्।

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

Farming Without Soil or Water Now Possible: New Technology Transforming Agriculture

Hydroponics and aeroponics enable higher yields with fewer resources, opening doors for urban farming

Gaurav Singh

Navi Mumbai - In the rapidly advancing scientific era, the agricultural sector is also undergoing a technological revolution. Growing crops no longer necessarily requires fertile soil or large quantities of water. New technologies developed by scientists—hydroponics and aeroponics—have made it possible to cultivate plants successfully without soil and with minimal water. Experts believe these innovations could reshape the future of food production.

In hydroponic farming, plants are grown in nutrient-rich water instead of soil. Through this process, plant roots receive direct nourishment, which accelerates growth and increases yield. According to scientists, this method requires 70 to 90 percent less water than traditional farming. For this reason, it is considered especially beneficial for regions facing water scarcity. Similarly, aeroponics represents an even more advanced form of cultivation. In this system, plant roots are suspended in the air and sprayed with a fine mist containing essential nutrients. This method requires neither soil nor large amounts of water. Since plants receive ample oxygen, their growth is faster and crop quality improves. Experts say that this technology can reduce water usage by up to 95 percent.

Agricultural scientists note that climate change, shrinking fertile land, and a growing population are putting increasing pressure on conventional farming. Irregular rainfall, droughts, and declining soil fertility are affecting agricultural productivity. In this context, modern controlled-environment farming systems are emerging as new opportunities for farmers and entrepreneurs. According to specialists, these technologies have made it possible to grow crops even in urban areas. Many people are now cultivating leafy vegetables and medicinal plants in their homes, on rooftops, or in enclosed spaces using specialized equipment. Such systems include temperature regulators, artificial lighting, automated nutrient delivery, and mist sprayers that create an ideal environment for plant growth.

However, experts also point out that adopting these technologies requires relatively high initial investment and technical knowledge. Nevertheless, in the long run, the investment can prove profitable because it reduces expenses on water, fertilizers, and pesticides while increasing production.

Agriculture experts believe that if these modern methods are adopted on a large scale, they could significantly help address future food shortages while also promoting environmental conservation and sustainable farming practices.

A Glimpse of the Divine"

"The Divine Vision of Narada"

Once upon a time, there was a curious boy who wished to know the secret of truth and ideals. He read many scriptures and questioned scholars, yet the thirst of his heart remained unquenched. At last, he went into a forest, meditated, and prayed, "O Lord, show me the truth of life."

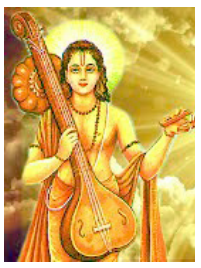

Pleased with his penance, the divine sage Narada appeared. With the sweet music of his veena, he said, "Child, truth is understood not merely through words but through vision. Come, I shall show you what is rare in this world."

In an instant, the boy found himself in a radiant realm. There he saw a luminous woman lovingly embracing her child. Narada said, "This is a mother—there is no greater teacher in the world." Moving ahead, he saw a dignified man caring selflessly for his family. "This is a father—no benefactor surpasses him." A little further, a radiant saint sat absorbed in meditation. "This is the true guru—equal to God," Narada explained.

Then the scene changed. A prince walked toward the forest in obedience—he was Rama. Nearby stood a noble woman embodying purity and sacrifice—Sita. At their feet bowed a devoted servant in monkey form—Hanuman. The boy's eyes widened in wonder.

Ahead, a warrior was giving away gold to the poor—Karna. A child chanted God's name even amid fire and poison—Prahlada. Then he saw a great tree offering shade to weary travelers, and beside it stood a gentle cow whose presence sanctified the air.

Narada pointed onward. A king was sacrificing everything for truth—Harishchandra. A young prince was surrendering his kingdom at his elder brother's feet—Bharat. Then celestial sounds echoed—the chants of Sanskrit—and in the sky appeared a radiant scripture, the Bhagavad Gita. At last the boy beheld a vast land shining from the Himalaya to the ocean. "This is India—a divine land," said Narada. And within that light stood a human being whose eyes shone with wisdom. Tears filled the boy's eyes. "Lord, all these are wondrous—can such beings truly be found?" Narada smiled.

"Child, they are indeed rare, but not impossible. When a person awakens love, truth, service, sacrifice, and devotion within, he himself becomes the embodiment of these ideals."

Garlic Tea: A magic potion!

Garlic is a superfood. Eating raw garlic offers many benefits. But how about making tea with garlic? Yes, garlic tea offers all the benefits that raw garlic offers. It improves health. Garlic offers antioxidants and is also an antibiotic. You can consume garlic tea on an empty stomach. Garlic is a good remedy to fight infections, inhibit the growth of fungi, virus and bacteria. But garlic needs to be consumed in moderation. Also, consult your doctor to know whether you can consume garlic on an empty stomach. People suffering from certain health conditions are not supposed to take garlic on an empty stomach.

Ingredients:
You will need:
1-2 garlic cloves, honey (1 tablespoon), lemon juice (1 tablespoon) and grated ginger.

How to prepare:

- Boil a glass of water. Cut the garlic into small pieces. Crush a small piece of ginger. Add both crushed ginger and garlic to the boiling water.
- Boil the mixture for 15 minutes on medium flame. Remove it from the stove and wait for 11 minutes.
- Add the lemon juice and honey to the water and enjoy the tea.

Benefits

- **Fat burning and metabolism boost:** Garlic tea helps burn fat and speed up metabolism due to compounds like allicin. When combined with a balanced diet, it can aid in weight loss by enhancing fat breakdown.
- **Heart health:** Regular consumption improves blood circulation, dilates blood vessels, and lowers bad cholesterol (LDL). This supports heart health and reduces the risk of heart disease and stroke.
- **Nutrient-rich:** Garlic tea provides essential vitamins A, C, B1, and B2, along with antioxidants. These nutrients support energy metabolism, immunity, and slow down aging.
- **Immune system support:** Garlic's antimicrobial properties boost the immune system, helping prevent bacterial, viral, and fungal infections, especially during cold and flu seasons.
- **Anti-aging and antioxidants:** Rich in antioxidants, garlic tea fights free radicals, reduces inflammation, and protects cells from damage, promoting longevity & reducing the effects of aging.

Press note for Endovista 2026

A National Level Scientific Event

TPCT's Terna Dental College & Department of Conservative Dentistry & Endodontics, has the pleasure & honour of hosting the Endovista 2026 a National Level Scientific Conference, to be held at Terna Dental College, Nerul, Navi Mumbai from 13th to 15th February 2026.

Our Chief Guest for the program is Prof. Dr.Dibyendu Mazumder, Hon'ble President, Dental Council of India, New Delhi. Around 350 plus delegates from across the country are participating in the three days workshop which will deliberate on subject of Vital pulp therapy, Retreatments & 3D printing in Endodontics, besides Regenerative Endodontics and Aesthetics dentistry in clinical practices in India and around the World.

Guest speakers from all over India are sharing their best practices and latest technologies, through more than 30 Keynote Presentations. Highlights of the event are the 18 Workshops on topics like Direct Composite Veneers, The AIIMS MTA Barrier technique, 3D Printing for Endodontic Surgery, Er:YAG/ Diode LASER Approach in Endodontics, Rotary Endodontics & Microscope Re-Endo by Renowned Clinicians. This time Endovista includes Live Clinical Demonstrations on Tooth preparation and Crown Restoration. Registered Delegates would participate in Paper & Poster Competition which includes around 100 paper presentations & 85 posters presentations. The Delegates could also experience the Tradefair with all the Latest Dental Materials & Equipments used in Modern Day Conservative & Endodontic Dentistry. The focus is also on Modern approach to restoring Endodontically treated teeth, Concepts and New perspectives in managing Carious lesions.

All the Keynote Presentations, Workshops, Live Demonstrations& Panel discussion would help delegates for good Clinical practices & better handling of the Patients.The professors, practitioners and students will be sharing and also learning from the scientific deliberations. Patient care with modern treatment modalities and technology is our aim.

All this was possible because of the painstaking effort of dynamic Organizing Chairman, Prof. Dr.Shishir Singh, Dean & HOD, Dept of Conservative Dentistry & Endodontics, Terna Dental College. Organizing Secretary Prof.Dr.Rajesh Podar, have conveyed the welcome to all the delegates for the 3-day Conference.

PUPILS TIMES

Friday, 20 February to 26 February 2026

PM Modi calls India-EU FTA golden era for trade, tech

New Delhi - Prime Minister Narendra Modi on Wednesday declared that the India-European Union (EU) Free Trade Agreement (FTA) signals not just progress, but the dawn of a "golden era" in India-Europe relations, as he held high-stakes meetings with President of Spain Pedro Sanchez and Prime Minister of Finland Petteri Orpo, in the national Capital.

In talks with Sánchez, the PM reviewed the full spectrum of India-Spain engagement, spanning defence, security, infrastructure, renewable energy, space cooperation and emerging technologies. But the central theme remained economic transformation powered by the India-EU FTA.

Calling the agreement "historic," Modi said it would unlock sweeping new opportunities for businesses, workers and innovators across both nations. He underscored that the pact is not symbolic diplomacy but a structural reset in economic ties between India and Europe.

The leaders welcomed progress in the Tata-Airbus C-295 transport aircraft programme in Vadodara, describing it as a tangible example of defence co-development and co-production. The project, they noted, reflects India's push for deeper industrial partnerships rather than transactional procurement.

Modi also highlighted the decision to mark 2026 as the India-Spain Year of Culture, Tourism and Artificial Intelligence, stressing that cooperation in AI must be grounded in accountability and human-centric governance. Sánchez echoed the call for responsible AI frameworks even as he praised India's convening of global leaders in the technology domain.

Both sides reiterated uncompromising condemnation of terrorism in all forms and agreed to intensify coordination on security challenges.In a separate meeting, Modi and Finnish Prime Minister Petteri Orpo described the India-EU FTA as a decisive turning point. Modi credited Orpo for his personal support in pushing the agreement forward, asserting that it ushers in a transformative phase in India-Europe engagement.

France to welcome more Indian students with simplified visa processing

New Delhi - France will simplify visa and sourcing procedures for Indian students and expand English-taught courses, French President Emmanuel Macron announced on Wednesday

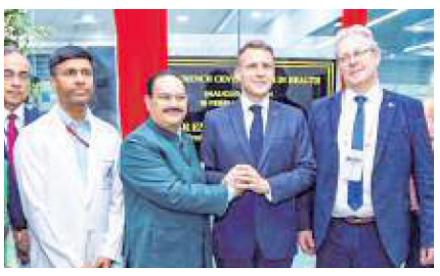

during high-level academic and scientific meetings in the national capital.

Speaking at the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) campus, Macron highlighted France's commitment to strengthening educational ties with India and increasing student mobility.

"We want to welcome more Indian students and have more French students coming here. We are currently speaking about 10,000 per year. We have decided with Prime Minister Modi to increase this number to 30,000 per year by 2030. From the French side, we will simplify the sourcing and the visa process," Macron said. He added that France would streamline procedures to make them more practical and aligned with students' expectations. During his visit, Macron and Union Health Minister JP Nadda inaugurated the Indo-French Campus on AI in Global Health at AIIMS, a project aimed at advancing research, innovation, and capacity building in artificial intelligence-driven healthcare solutions. Highlighting France's academic strengths, Macron said Indian students would have access to world-class teaching, leading research centres, and strong interdisciplinary collaboration. He also emphasized that France would offer diverse academic programmes in English to make higher education more accessible. "We will clearly streamline the approach in order to meet expectations and make it much more practical for students.

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES
In a recent statement he said,
Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

Rohit Pawar seeks Union min's removal

Mumbai - NCP (SP) MLA Rohit Pawar on Wednesday demanded that Union civil aviation minister K Rammohan Naidu be removed from his post until the probe into Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar's plane crash is completed.

Addressing a press conference at YB Chavan auditorium, Pawar alleged that the aviation services provider VSR, whose Learjet aircraft crashed in Baramati on January 28, was being shielded due to its alleged proximity to leaders of the Telugu Desam Party and the Union minister. He claimed that prominent political figures had attended a family wedding of the company's owners and that senior politicians continued to use its aircraft, raising concerns about possible protection.

Rohit Pawar made a series of serious allegations regarding the circumstances of the crash. He claimed that despite poor visibility at Baramati, the pilot, Captain Sumit Kapoor, attempted landing instead of aborting the approach. Pawar further alleged that the aircraft may have been deliberately crashed to trigger an explosion, pointing to the unusually high quantity of fuel onboard – estimated between 3,000 and 3,500 litres – and the presence of additional fuel cans inside the cabin. He argued that landing visibility requirements were not met and questioned why permission for take-off and landing was granted despite inadequate conditions. According to him, these factors strengthened suspicions of sabotage rather than an accident. Pawar also accused the VSR of attempting to tamper with flight-related documentation and suggested that investigators examine email communications linked to possible alterations in the flight plan by a Mumbai-based handler.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

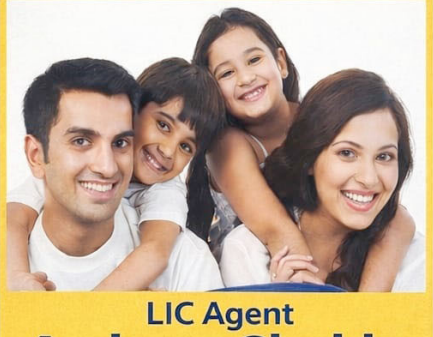

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES

Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **JAGRUTI PRINTERS,** BYCULLA SERVICE INDUSTRIAL ESTATE 1ST FLOOR, B-101, D.K. CROSS MARG, NEAR RANIBUAG, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400027. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**